आईआईटी मंडी कैटलिस्ट ने स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज के लिए आवेदन आमंत्रित किए

- **5वें हिमालयन स्टार्टअप ट्रेक में स्टार्टअप्स के लिए 5 लाख रु. नकद पुरस्कार जीतने और 50 लाख रुपये तक फंडिंग (वित्तीयन) का अवसर**

मंडी, 15 नवंबर 2021: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी का प्रौद्योगिकी बिजनेस इनक्युबेटर पांचवी बार हिमालयन स्टार्टअप ट्रेक (एचएसटी) नामक अपना अग्रणी आयोजन कर रहा है। दिसंबर 11 एवं 12, 2021 को होने वाले 5वें एचएसटी 2021 में एक स्टार्टअप प्रस्तुति प्रतियोगिता होगी – 'एचएसटी स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज' जिसके तीन खास थीम हैं :

- **द न्यू एज एलायंस – ह्युमन–कंप्यूटर इंटरैक्शन,** पुरस्कार राशि 2 लाख रु. **(स्पांसर :** आईहब और एचसीआई फाउंडेशन, आईआईटी मंडी)
- **द फुटहिल इनोवेटर्स चैलेंज – बिल्ड फॉर द हिमालयाज़** पुरस्कार राशि 1.25 लाख (स्पसांर : एसजेवीएनएल और कंप्लायंस सपोर्ट)
- **द हैबिटेबल वर्ल्ड चैलेंज़ – इनवायरनमेंट एण्ड सस्टेनेबलिटी,** पुरस्कार राशि 2 लाख रु. (स्पांसर : एएलएसआईएसएआर इम्पैक्ट, पीक वेंचर्स, द सोलर लैब्स)

चैलेंज़ में स्टार्टअप, इनोवेटर्स और उद्यमी उम्मीदवार भाग ले सकते हैं और 5 लाख रुपये नकद पुरस्कार जीतने के साथ 50 लाख रु. की फंडिंग (वित्तीयन) का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन की आखिरी तिथि 25 नवंबर 2021 है।

आयोजन का उद्देश्य भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम के भागीदारों को एकजुट करना और युवा उद्यमियों को इनक्युबेशन में मदद के लिए अपने विचार प्रस्तुत करने और निवेशकों से धन जुटाने का अवसर प्रदान करना है। इसे हि.प्र. उद्योग विभाग के एच.पी. सेंटर फॉर एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट का सहयोग प्राप्त है। आवेदन आयोजन की वेबसाइट पर किए जा सकते हैं।

स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज में उद्यमी उम्मीदवारों को भाग लेने के लिए आमंत्रित करते हुए प्रोफेसर पूरन सिंह, फैकल्टी प्रभारी, आईआईटी मंडी कैटलिस्ट ने कहा, "एचएसटी पूरे देश के स्टार्टअप्स के लिए कैटलिस्ट के इनक्युबेशन प्रोग्राम का प्रवेश द्वार रहा है। इस वर्ष एचएसटी का नवीनतम फीचर थीम आधारित स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज का आयोजन है। हम इन तीन क्षेत्रों में क्षमता और विशेषज्ञता का विकास कर रहे हैं और हमारा इरादा प्रतिबद्ध स्टार्टअप को चुनना है जिन्हें सहयोग दिया जाएगा।"

एचएसटी स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज की थीम न्यू एज एलायंस – ह्युमन कंप्यूटर इंटरैक्शन निर्णय लेने, पूर्वानुमान, अनुमान, संचार और प्रक्रिया पूरी करने में कंप्युटर की बौद्धिक और गणना क्षमताओं के उपयोग पर केंद्रित होगी। इस थीम के तहत प्रतिभागी निम्नलिखित के संबंध में अपने विचार प्रस्तुत कर सकते हैं –

- मस्तिष्क–कंप्युटर इंटरेक्शन
- मनुष्य के कार्य और निर्णय लेने में सहायक और सवंर्धक सहायक प्रौद्योगिकियां
- मनुष्य की संज्ञान शक्ति बढ़ाने के लिए उन्नत तकनीकों का उपयोग
- मनुष्य के निर्णय लेने, भविष्यवाणी, संचार और प्रक्रिया पूरी करने में सहायता के लिए कंप्यूटर की बुद्धि का उपयोग

फुटहिल इनोवेटर्स चैलेंज – बिल्ड फॉर द हिमालयज़ थीम स्थानीय भूभाग, आबादी, पर्यावरण, पारिस्थितिकी से जुड़े मुद्दों के समाधान पर या फिर स्थानीय उत्पाद और स्थानीय पेशकश दुनिया के कोने–कोने तक पहुंचाने पर केंद्रित होगी जिसके के लिए विभिन्न वैल्यू चेन स्तर पर आपूर्ति श्रृंखला, भंडारण या निर्माण क्षमता का विकास करना होगा। स्टार्टअप और उद्यमी उम्मीदवार इस थीम के तहत निम्नलिखित के संबंध में अपने विचारों के साथ भाग ले सकते हैं –

- पहाड़ी सड़क सुरक्षा, आपदा नियंत्रण और प्रबंधन
- हिमालयी कृषि के लिए मांग और आपूर्ति पक्ष की चुनौतियां
- वोकल फॉर लोकल – स्थानीय उत्पादों और सेवाओं को बढ़ाने के लिए प्रयास
- ग्रामीण विकास – शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और रोजगार

हैबिटेबल वर्ल्ड चैलेंज – एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी का उद्देश्य ऐसे स्टार्टअप्स और इनोवेटर्स को सक्षम बनाना है जिनका प्रयास इस दुनिया को सभी प्रजातियों के लिए जीवनयापन और आवास योग्य बेहतर जगह बनाने का है। इस थीम के तहत कुछ खास मुद्दे हैं जैसे स्वच्छ और अक्षय ऊर्जा, कचरा प्रबंधन, ई–वाहन, हरित समाधान, पुनर्चक्रण और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन। इस क्षेत्र में कार्यरत या आरंभ करने के प्रयासरत स्टार्टअप, इनोवेटर्स और उद्यमी उम्मीदवार या फिर नवोदित उद्यमी निम्नलिखित से संबंधित अपने विचार रख सकते हैं : –

- अक्षय और स्वच्छ ऊर्जा समाधान
- कचरा प्रबंधन और पुनर्चक्रण
- संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास के लक्ष्यों के अनुरूप कोई अन्य समाधान

प्रत्येक थीम आधारित क्षेत्र में दिए गए थीम के तहत 3 सर्वश्रेष्ठ स्टार्टअप को 2 लाख रु. तक की पुरस्कार राशि दी जाएगी। इसके अलावा सर्वश्रेष्ठ स्टार्टअप्स को इनक्युबेशन में मदद और प्रोटोटाइप के साथ–साथ उत्पाद विकास में फंडिंग की सुविधा दी जाएगी। यह सहायता कैटलिस्ट की विभिन्न फंडिंग योजनाओं के माध्यम से दी जाएगी और इसकी राशि 50 लाख रु. तक होगी।

आईआईटी मंडी कैटलिस्ट ने अपनी इस छोटी यात्रा में स्वच्छ ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा, उद्यम प्रबंधन, कृषि, विनिर्माण, बायोटेक, शिक्षा और उपभोक्ता इंटरनेट सहित कई क्षेत्रों में 160 से अधिक स्टार्टअप को सहायता देने की उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। कैटलिस्ट अब तक ऐसे 100 से अधिक प्रोग्राम का आयोजन कर चुका है। इसके अतिरिक्त कैटलिस्ट की विभिन्न फंडिंग योजनाओं के माध्यम से शुरुआती दौर में कई

स्टार्टअप्स की फंडिंग पूरी हुई है। **कैटलिस्ट ने अब तक प्रोटोटाइपिंग और व्यावसायीकरण के लिए स्टार्टअप्स के बीच 6 करोड़ रु. से अधिक राशि का आवंटन किया या फिर इसकी प्रतिबद्धता की है।**

आईआईटी मंडी कैटलिस्ट अपने सहायता प्रोग्रामों के माध्यम से शुरुआती दौर में उद्यमियों का मार्गदर्शन करता है। उन्हें इन्फ्रास्ट्रक्चर, वित्त, सलाह और उद्योग से संपर्क में सहायता प्रदान करता है। यही वजह है कि आज आईआईटी मंडी कैटलिस्ट पूरे देश के स्टार्टअप के लिए आकर्षण का केंद्र बना गया है।

###